Date
08/05/20

B.Ed-I.

Sub- "Philosophical & Sociological perspectives of Education"

रूसो - 1712 - 1778

* ये पूर्णतः प्रकृतिवादी थे इनका प्रमुख नारा "प्रकृति की ओर लौटो" था
* ये प्रकृति ही को पूर्ण वास्तविक मानते हैं।
* ये इन्द्रियानुभूत ज्ञान को ही सच्चा ज्ञान मानते थे।
* ज्ञान के स्रोत कर्मेन्द्रियों के द्वारा बालक स्वयं करके सीखता है तथा ज्ञानेन्द्रियों के द्वारा बालक स्वयं के अनुभव के आधार पर नवीन ज्ञान प्राप्त करता है।
* ये सौन्दर्यानुभूति मूल्यों को अधिक महत्व देते थे।
* इन्होंने शिक्षा के स्वरूप को अपनी प्रसिद्ध पुस्तक एमील के माध्यम से प्रस्तुत किया है।
* ये शिक्षा का स्त्रोत - प्रकृति, मानव, तथा पदार्थ को मानते थे।
* इन्होंने शिक्षा के पाठ्यक्रम को बालक की अवस्थाओं के अनुसार चार भागों में विभाजित किया है।
* इनके अनुसार 12 वर्ष तक एमील को किसी प्रकार की पुस्तकीय शिक्षा नहीं दी जाएगी।
* ये केवल बालक का प्राकृतिक अवस्था में करना चाहते थे।
* सर्वप्रथम इन्होंने बालकेन्द्रित शिक्षा का स्वरूप निर्धारित किया।
* ये अपने समय की शिक्षा को दोषपूर्ण मानते थे ये शिक्षा बालक को बालक समझकर नहीं, समझदार की जाती थी।
* ये निश्चयात्मक शिक्षा के स्थान पर निषेधात्मक महत्व देते थे।
*

Scanned with CamScanner